

आपातकाल भारतीय लोकतंत्र पर काला धब्बा : भजनलाल

मुख्यमंत्री ने कहा, लोकतंत्र सेनानियों ने जेलों में यातनाएँ सहकर संविधान की रक्षा की



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आपातकाल लगने के 50 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित “भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय- संविधान हत्या दिवस-2025” कार्यक्रम का दीप जलाकर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, विधायक गोपाल शर्मा सहित, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं लोकतंत्र सेनानी उपस्थित थे।

- मुख्यमंत्री शर्मा ने बुधवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में, आपातकाल लगने के 50 साल पूरे होने पर आयोजित सम्मेलन “भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय-संविधान हत्या दिवस-2025” कार्यक्रम को संबोधित किया।**

- मुख्यमंत्री ने कहा, हमने राजस्थान लोकतंत्र सेनानी सम्मान निधि को पुनः बहाल किया है, जिसके तहत लोकतंत्र सेनानियों को 20,000 रूपए मासिक पेंशन और 4 हजार रूपए की चिकित्सा सहायता दी जा रही है।**

कहा कि आज लोकतंत्र सेनानियों का सान्निध्य पाकर उन्हें अत्यंत हर्ष एवं गौरव की अनुभूति हो रही है। मुख्यमंत्री ने भावी पीढ़ी से सेनानियों से उनके

आपातकाल लागू कर लोकतंत्र की हत्या की, मौलिक अधिकारों का हनन किया, मौसा जैसा कानून लाया गया, जिसमें अनिश्चितकालीन गिरफ्तारी का प्रावधान रखा गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश के लोकतंत्र सेनानियों के संस्मरणों से संकलित ‘लोकतंत्र रक्षा की कहानी-सेनानियों की जुबानी’ पुस्तक का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने परिसर में आपातकाल के 50 वर्ष पर आयोजित प्रदर्शनों का अवलोकन किया।

समारोह में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, विधायक गोपाल शर्मा सहित, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं लोकतंत्र सेनानी उपस्थित थे।

धर्मशाला ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
आधे हो उत्साहपूर्वक समर्थन करते हैं—जबकि 88 प्रतिशत डेमोक्रेट और 60 प्रतिशत स्वतंत्र मतदाता इसका विरोध करते हैं। यह विभाजन ऐसे राष्ट्र को दर्शाता है जो नेतृत्व को लेकर असमंजस और संदेह से जूझ रहा है।
आम लोगों में गहरी चिंता है, 58 प्रतिशत अमेरिकी मानते हैं कि ये हमले अमेरिका के लिए और ईरान के खतरे को कम नहीं करेंगे बल्कि बढ़ा देंगे। यहां तक कि जो लोग हमलों का समर्थन करते हैं, उनमें से भी केवल 5.5 प्रतिशत ही मानते हैं कि इससे खतरा वास्तव में कम होगा। यानी बल प्रयोग का तर्क हमले समर्थकों की भी पूरी तरह से आपसवस्त नहीं कर पा रहा।
और भी अधिक चिंता की बात यह है कि केवल 32 प्रतिशत अमेरिकी मानते हैं कि अमेरिका ने हमले से पहले पर्याप्त कूटनीतिक प्रयास किए।

‘हमारे परमाणु ठिकानों को बहुत नुकसान हुआ’

तेहरान, 25 जून। ईरान के आखिरकार कबूल कर लिया है कि अमेरिकी हमलों में उसके परमाणु ठिकानों को बुरा नुकसान हुआ है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई की तरफ से बुधवार को इसकी पुष्टि की गई है। हालांकि उन्होंने इस बारे में विस्तार से जानकारी देने से इनकार कर दिया कि यह नुकसान कैसा है और किस हद का हुआ है। अमेरिका ने रविवार 22 जून को बी-2 बॉम्बर्स और बंकर बस्टर बर्मां की मदद से ईरान के परमाणु अड्डों की निशाना बनाया था।

साल में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नए नियम के अनुसार, कक्षा 10 के छात्रों के लिए बोर्ड परीक्षा के पहले चरण में उपस्थित होना अनिवार्य होगा। जबकि दूसरे फेज में शामिल होने का आंशान होगा। आंतरिक मूल्यांकन केवल एक बार किया जाएगा।

नाबालिग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान पीड़िता ने अदालत को बताया कि घटना के दिन कॉलेज के बाहर उसे पूर्व परिचित अभियुक्त मिला था। वह उसे घर छोड़ने के नाम पर अपने साथ ले गया।

रास्ते में अभियुक्त ने उसे नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाई और वह बेहोश हो गई। इसके बाद उसे जयपुर में होश आया। तब अभियुक्त उसे बस से पटना ले गया और बाद में भीपाल ले आया। जहां उसने करीब एक सप्ताह तक उसे साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने अदालत को बताया कि यहां से अभियुक्त उसे वापस जयपुर ले आया और मुहाना मंडी के पास किराए के कमरे में रखा और यहां भी अभियुक्त ने उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया।

वहीं 20 अक्टूबर पुलिस आकर उसे लग गई। दूसरी ओर अभियुक्त की ओर से कहा गया कि उसकी बहन की सगाई पीड़िता के भाई के साथ हुई थी और वह उसके घर आता-जाता था। इस दौरान उनके बीच प्रेम हो गया और पीड़िता ने अपने आप को वयस्क बताया था।

दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा और जुमाने से दंडित किया है।

शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरी

फ्लोरिडा, 25 जून। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला तीन अन्य चालक दल के सदस्य अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना हो गए हैं। भारतीय समय के अनुसार, दोपहर 12 बजकर एक मिनट पर मिशन को लॉंच किया गया। नासा ने बताया कि गुरुवार शाम चार बजकर 30 मिनट पर डॉकिंग की टाइमिंग है। इस मिशन का संचालन भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला कर रहे हैं। कू कंपनी के फाल्कन 9 रॉकेट पर एक नए स्पेसएक्स ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट पर सवार

- शुभांशु भारतीय समयानुसार दोपहर 12 बजकर एक मिनट पर अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना हुए थे।**

होकर अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा कर रहा है। इस मिशन का नेतृत्व अमेरिका की कमांडर पैगी व्हिटसन कर रही हैं, जिसमें शुभांशु शुक्ला मिशन पायलट हैं और हंगरी के अंतरिक्ष यात्री टिबोर कपू और पोलैंड के स्लावोज उजान्स्की-विस्नीव्स्की मिशन विशेषज्ञ हैं। फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से अंतरिक्ष यात्रियों ने उड़ान भरी। कंपनी के फाल्कन 9 रॉकेट पर लॉन्च होने के बाद चालक दल एक नए स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान पर प्रक्रमा प्रयोगशाला की यात्रा करेगा। नासा ने एक बयान में कहा कि मिशन का डॉकिंग समय गुरुवार, 26 जून को भारतीय मानक समय के अनुसार शाम 4.30 बजे है।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
आधे हो उत्साहपूर्वक समर्थन करते हैं—जबकि 88 प्रतिशत डेमोक्रेट और 60 प्रतिशत स्वतंत्र मतदाता इसका विरोध करते हैं। यह विभाजन ऐसे राष्ट्र को दर्शाता है जो नेतृत्व को लेकर असमंजस और संदेह से जूझ रहा है।

आम लोगों में गहरी चिंता है, 58 प्रतिशत अमेरिकी मानते हैं कि ये हमले अमेरिका के लिए और ईरान के खतरे को कम नहीं करेंगे बल्कि बढ़ा देंगे। यहां तक कि जो लोग हमलों का समर्थन करते हैं, उनमें से भी केवल 5.5 प्रतिशत ही मानते हैं कि इससे खतरा वास्तव में कम होगा। यानी बल प्रयोग का तर्क हमले समर्थकों की भी पूरी तरह से आपसवस्त नहीं कर पा रहा।
और भी अधिक चिंता की बात यह है कि केवल 32 प्रतिशत अमेरिकी मानते हैं कि अमेरिका ने हमले से पहले पर्याप्त कूटनीतिक प्रयास किए।

अमेरिकी जनता अब राष्ट्रपति के युद्ध-संबंधी अधिकारों पर नियंत्रण की मांग करने लगे हैं। सर्वे में शामिल 65 प्रतिशत मानते हैं कि ट्रंप को आगे

जयपुर-अजमेर हाईवे पर मैथेनॉल से भरा टैंकर पलटा, ड्राइवर जिंदा जला

मोखमपुरा के पास एनएच48 पर हुए हादसे में टैंकर पलटते ही आग लग गई

- हाईवे पर चल रहे कई वाहन चालक अपनी गाड़ियाँ छोड़कर भाग गए।**

- इस हादसे ने दिसंबर 2024 में हुई भांकरोटा दुर्घांतिका की भयावह यादें ताजा कर दीं, जब एलपीजी टैंकर में आग लगने से हुए हादसे 20 से ज्यादा लोग मारे गए थे व 35 से ज्यादा लोग सलुस गए थे।**

सूचना मिलते ही, एसडीएम बलवीर सिंह, तहसीलदार राघवेंद्र सिंह, पुलिस उपाधीक्षक दीपक खंडेलवाल सहित, अन्य अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया।

टैंकर में भरा मेथेनॉल हाईवे पर बिखर गया। आग फैलने के डर से टैंकर के करीब चल रही गाड़ियां हाईवे पर ही रुक गईं। हादसे के करीब आधा घंटे बाद तक हाईवे पर जाम लगा रहा।

स्थानीय लोगों ने बताया कि बुधवार सुबह जैसे ही हादसा हुआ, लोग अपने वाहनों को छोड़ कर खुतों की तरफ भागे। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि वह जयपुर की तरफ जा रहा था। इसी दौरान दूक पलटा और आग का गोला बन गया। सभी लोग डर गए और कार से उतरकर पीछे की तरफ भागे। अन्य गाड़ी वालों ने भी कार रोकी और खुले स्थान की तरफ भागने लगे। गनीमत रही कि किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ।

जानकारी के अनुसार, हाईवे पर टैंकर पलटने के बाद आग लगते ही

अधिकांश अमेरिकावासी ईरान पर ...

किसी भी सैन्य कार्रवाई से पहले कांग्रेस से अनुमति लेनी चाहिए। यहां तक कि उनकी दूक पलटा और आग का गोला रिपब्लिकन इस बात से सहमत हैं।

उग्र इस राजनीतिक विभाजन में एक और परत जोड़ती है। अमेरिका में 35 वर्ष से कम उम्र के अमेरिकी इन हमलों को लेकर सबसे अधिक संशय में हैं जहां 68 प्रतिशत विरोध में हैं वहीं 4.5 प्रतिशत का कहना है कि उन्हें ट्रंप के सैन्य निर्णयों पर बिल्कुल भी भरोसा नहीं है। युवा रिपब्लिकन समर्थकों में केवल 20 प्रतिशत ही इन हमलों का जोरदार समर्थन करते हैं, जबकि पुराने रिपब्लिकन में यह आंकड़ा 53 प्रतिशत है। रिपब्लिकन पार्टी के भीतर यह पीढ़ीगत अंतर आने वाले महीनों में असर डाल सकता है।

एक बात पर लगभग सर्वसम्मति है, वह यह है: अमेरिकी सैनिकों को जमीनी युद्ध में नहीं भेजना चाहिए।

यह सर्वेक्षण एंशन की जवाबी कार्रवाई और ट्रंप द्वारा युद्धविरोधी की घोषणा से पहले किया गया था, और यह राष्ट्र की उस समय की कच्ची भावनाओं को दर्शाता है।

अंत में, यह सर्वेक्षण एक स्पष्ट तस्वीर पेश करता है। अमेरिकी जनता एक और मध्यमार्थी संकेत से चिंतित हैं, — ये एकतरफा सैन्य कार्रवाई पर भरोसा नहीं करते, और उस व्यक्ति को लेकर और अधिख सशक्त हैं जो फैसले ले रहा है। ट्रंप ने भले ही हमला करने का आदेश दिया हो, लेकिन जनता को विश्वास जीतने की लड़ाई अभी बाकी है।

‘ 28 दिन अवैध हिरासत में रखा, अब 5 लाख रु. का मुआवज़ा दे यूपी सरकार’

- सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकार के उल्लंघन का दोषी करार दिया**

बावजूद आरोपी को रिहा करने में पूरी तरह से विफल रहा है।

पीठ ने कहा, भगवान जानता है कि ऐसे कितने लोग जेलों में सड़ रहे हैं।न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने तकनीकी बातों पर जोर देने वाले जेल अधिकारियों के आचरण की निंदा की। उन्होंने गाजियाबाद के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश को इसकी चुक के कारण व्यक्ति की रिहाई में 28 दिनों की देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने का आदेश दिया।

न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा,स्वतंत्रता एक

व्यक्ति को दी गई एक बहुत ही मूल्यवान और अनमोल अधिकार है। इसे इन बेकार की तकनीकी बातों पर समझौता नहीं किया जा सकता। जब इस अदालत ने एक वैध आदेश पारित करके स्वतंत्रता दी है, तो उसे कैसे छीना जा सकता है?

जेल अधिकारियों और राज्य प्रशासन पर तीखी टिप्पणी करते हुए अदालत ने कहा,क्या किसी उपधारा को छोड़ देना किसी को हिरासत में रखने का वैध आधार है। अगर हम स्पष्ट न्यायिक आदेशों के बावजूद लोगों को सलाखों के पीछे रखते हैं तो हम आज जन को क्या संदेश दे रहे हैं।

न्यायिक और अनमोल अधिकार है। इसे इन बेकार की तकनीकी बातों पर समझौता नहीं किया जा सकता। जब इस अदालत ने एक वैध आदेश पारित करके स्वतंत्रता दी है, तो उसे कैसे छीना जा सकता है?

जेल अधिकारियों और राज्य प्रशासन पर तीखी टिप्पणी करते हुए अदालत ने कहा,क्या किसी उपधारा को छोड़ देना किसी को हिरासत में रखने का वैध आधार है। अगर हम स्पष्ट न्यायिक आदेशों के बावजूद लोगों को सलाखों के पीछे रखते हैं तो हम आज जन को क्या संदेश दे रहे हैं।

भारतीय मूल के ज़ोहरान ममदानी न्यूयॉर्क के ...

लिखा, “जीवन यापन की लागत (खर्च) कामकाजी लोगों के लिए बहुत अधिक है, लेकिन ज़ोहरान का मानना है कि सरकार इस लागत को कम कर सकती है और हमारे शहर में जीवन को आसान बना सकती है, वे किराया कम करने, विश्व स्तरीय सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध कराने और परिवार पालने को आसान बनाने के लिए हर उपलब्ध साधन का उपयोग करेंगे।”

ममदानी ने वादा किया है कि वे मेयर बनने के बाद तुरंत सभी स्थिर किएपदारों के लिए किराया स्थिर कर देंगे और न्यूयॉर्क वासियों को घर बनाने के लिए हर उपलब्ध संसाधन का उपयोग करेंगे और किराया कम करेंगे। फास्ट और मुफ्त बसों का वादा करते हुए, उन्होंने प्रचार में कहा कि वे मेयर बनने के बाद हर शहर की बस का किराया स्थायी रूप से समाप्त कर देंगे और उन्हें तेज गति देने के लिए प्राथमिकता लेन, बस क्यू जंप सिग्नल और डेडिकेटेड लोडिंग/ऑन का निर्माण करेंगे, ताकि डेबल वायिंग करने वाले लोगों से बचा जा सके।

ममदानी न्यूयॉर्क के 6 सप्ताह से लेकर 5 साल तक की उम्र के सभी बच्चों के लिए मुफ्त देखभाल व्यवस्था लागू करेंगे, यह सुनिश्चित करते हुए कि सभी परिवारों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली प्रोग्रामिंग हो।

राष्ट्रदूत हिन्दू संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाइंट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर फोन: 2372634, 4103333-34, फ़ैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फ़ैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्या, बीकानेर। फोन: 2200660, फ़ैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फ़ैक्स:0145-2624665 जालौर कार्यालय – जी 1/63, इन्डस्ट्रियल एरिया, फेस प्रथम, जालौर फोन 226422,226423, फ़ैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय : -- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फ़ैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फ़ैक्स: 01562-256908

